साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 6 | अंक : 03 गोंदिया : गुरुवार, दि. 28 अगस्त से 3 सितंबर 2025 ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

तालाब में डूबने 1 व्यक्ति की मौत

गोंदिया-नवेगांवबांध थाने के तहत भिवखिड़की निवासी गोपाल आत्माराम गजबे (51) शराब के नशे में गांव के पास तालाब में नहाने गया था. इसी दौरान पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई. फिर्यादी जयकुमार जगदीश गजबे (33) की शिकायत पर नवेगांवबांध पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

निजी ट्रैवल्स बस व ट्रक की भीषण टक्कर, छह महीने की मासूम समेत 6 यात्री गंभीर जख्मी

कोहमारा-नवेगांवबांध मार्ग पर हुआ हादसा

बुलंद गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के चिखली गांव के समीप कोहमारा-नवेगांवबांध मार्ग पर हैदराबाद से रायपुर यात्रियों को ले जा रही एक निजी बस के चालक द्वारा ओवरटेक करने के प्रयास में ट्रक से टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बस में सवार 6 यात्रीयो समेत एक छह महीने की बच्ची गंभीर जख्मी हो गए। सभी घायलों का सड़क अर्जुनी के ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर उन्हें गोंदिया के शासकीय जिला चिकित्सालय में स्थानांतरित कर दिया गया. यह घटना 27 अगस्त को सुबह करीब 6. बजे दौरान घटित हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुष्पराज ट्रैवल्स कंपनी की निजी बस क्र. सीजी 08 ङ्क बीबी 3720 हैदराबाद से रायपुर यात्रियों को लेकर जा रही थी. इस समय बस में 32 यात्री सवार थे। कोहमारा-नवेगांवबांध मार्ग पर चिखली गांव के पास बस चालक ने सामने वाले ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया. इस प्रयास में बस चालक ने स्टीयरिंग पर से नियंत्रण खो दिया. परिणामस्वरूप, तेज रफ्तार बस ने ट्रक के पिछले हिस्से को टक्कर मार दी। जिससे बस में सवार छह यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए. एक छह महीने की बच्ची के सिर पर चोट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई. नागरिक घटनास्थल पर पहुंचे और डुग्गीपार पुलिस को घटना की सूचना दी। सभी घायल यात्रियों को 108 एम्बुलेंस से सड़क अर्जुनी के ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया. वहां के डाक्टरों ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया और आगे के इलाज के लिए गोंदिया के शासकीय जिला चिकित्सालय में स्थानांतरित कर दिया. दुर्घटना में घायलों के नाम ज्ञात नहीं हो सके. डुग्गीपार पुलिस आगे की जांच कर रही है।

लाठी से मारा

गोंदिया-रावणवाड़ी थाने के तहत कोरणी निवासी फिर्यादी हरेलाल लालाजी चव्हाण (52) अपने घर के आगे खड़ा था. इसी दौरान आरोपी अपने घर पर बिना कारण गालीगलौज कर रहा था. फिर्यादी ने कहा कि तू गालीगलौज क्यों कर रहा है. जिस पर आरोपी ने फिर्यादी पर लाठी से प्रहार कर दिया.

विघ्नहर्ता श्री गणेश जी का ठोल नगाड़े वह जयकारो के साथ हुआ सुभागमन

696 सार्वजनिक स्थानों 440 एक गाव एक गणपती वह घरों में 5935 बिराजे श्री भक्तों में भारी उत्साह

बुलंद गोंदिया। प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता श्री गजानन गणपति बप्पा का इस वर्ष 27 अगस्त बुधवार को हुआ। प्रथम दिन विघ्नहर्ता की प्रतिमा696 सार्वजनिक स्थानों 440 एक गाव एक गणपती वह 5935 घरों में बाप्पा के भक्तों ने भारी उत्साह के साथ ढोल नगाड़े के साथ विराजित किया ।गौरतलब है कि गणेश उत्सव गोंदिया जिले में के साथ-साथ संपूर्ण महाराष्ट्र में भारी उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें 10 दिनों तक सार्वजनिक स्थानो व घरों में बप्पा की प्रतिमा को स्थापित कर संपूर्ण विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जाती है। तथा सार्वजनिक स्थानों में विराजित होने वाली गणेश मंडलों द्वारा विभिन्न सामाजिक, जनजागृति के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं साथ ही विभिन्न स्थानों पर बाबा के भंडारे भी लगते हैं। इस वर्ष गणेश उत्सव का पर्व 27 अगस्त बुधवार गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर आरंभ हुआ तथा जिले में 696 सार्वजनिक स्थान, 440 एक गांव एक गणपति वह करीब 5935 से अधिक घरों में गणपति बप्पा की प्रतिमा को स्थापित कर पूजा अर्चना शुरू की गई।

धार्मिक आयोजनों के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

27 अगस्त बुधवार से शुरू हुए गणेश उत्सव के 10 दिनों के पर्व के दौरान सार्वजनिक पंडालो में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ शासन द्वारा जनहित में जारी किये गए अनेक कार्यक्रमों को जन जागृति के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। जिसके लिए सभी मंडलो को प्रशासन द्वारा दिशा निर्देश दिए गए हैं तथा शासन द्वारा उत्कृष्ट गणेश उत्सव मंडल को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

पुलिस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

गणेश पर्व के दौरान जिले में कानून सुरक्षा व शांति बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक गौरख भाभरे के मार्गदर्शन में अपर पुलिस अधीक्षक के निरीक्षण में गोंदिया जिले के 4 उपविभाग के उप विभागीय पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में संपूर्ण 16 पुलिस थाने के निरीक्षक की सुरक्षा में गणेश उत्सव संपन्न होगा जिसके लिए विभिन्न स्थानों पर पॉइंट सुरक्षा व्यवस्था ,नाकाबंदी, गस्त लगाई जाएगी, साथ ही भीड़ के दौरान चोरी, पॉकेट मारी करने वाले पर नजर पर नजर रखने के लिए सादी वर्दी में पुलिस अधिकारी तथा पुलिस कर्मचारी, चार्ली पाथक, दामिनी पाथक को सक्रिय किया गया है।

कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बिगड़ने वाले अपराधी प्रवृत्ति के आरोपियों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएंगी साथ ही आर.सी.पी, क्यू.आर.टी , पथक, सी -60 पथक, बी डी. डी. एस, जिला यातायात शाखा तथा होमगार्ड राज्य सुरक्षा पुलिस दल को संपूर्ण जिले में गणेश उत्सव के दौरान शांति व सुरक्षा बनाए रखने के लिए सजग किया गया है।

आंखों में मिर्ची पाउडर झोक तलवार से की निर्माण हत्या पुराने विवादो को लेकर वारदात को दिया अंजाम लोकल क्राइम ब्रांच ने 24 घंटे में 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले मशीनटोला/ घाटटेमनी परिसर में विनोद देशमुख 48 वर्ष की हत्या का मामला 20 अगस्त को सामने आया था। इस मामले में लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा 21 अगस्त को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया आरोपियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उन्होंने मृतक की आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर लोहे की तलवार से उसकी हत्या की थी। गौरतलब है की घाटटेमनी निवासी विनोद देशमुख यह 19 अगस्त की शाम 8.00 बजे के दौरान अपने फार्म हाउस से घर आने के लिए निकला था लेकिन उसके घर ना आने पर 20 अगस्त को उसके परिजनों व गांव वालों द्वारा उसकी तलाश शुरू की जिस पर 20 अगस्त की दोपहर घाटटेमनी जंगल परिसर में उसका शव दिखाई दिया जिसके शरीर पर धारदार हथियार के निशान थे। उपरोक्त मामले में फरियादी हिरकणी विनोद देशमुख कि शिकायत पर रावणवाडी पुलिस थानेमैं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के दिशा निर्देश अनुसार लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर के नेतृत्व में लोकल क्राइम ब्रांच के तीन पथक का गठन कर जांच शुरू कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पथक का निर्माण होते ही अपराध शाखा के दल ने घटनास्थल पर तत्काल भेट देकर बारीकी से जांच कर फरार आरोपियों की जानकारी हेतु स्थानीय लोगों व नागरिकों से जानकारी का संकलन कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें प्रशांत उर्फ लोकेश छनुलाल कावडे उम्र 25 वर्ष ,कामेश चुन्नीलाल कावडे उम्र 28 वर्ष दोनों निवासी वार्ड क्रमांक 3 गिरोला को ग्राम काली माटी से गिरफ्तार किया। आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ किए जाने पर उन्होंने जानकारी दी कि मृतक द्वारा कुछ दिनों पूर्व अपने साथियों के साथ आरोपी प्रशांत के घर पर जाकर उसके पिता वह उसकी लाठी से पिटाई की थी, इस मामले में आमगांव पुलिस थाने में मृतक के खिलाफ मामला दर्ज है। इसके बाद भी मृतक के साथ विवाद होने से उनकी आपस में मनमुटाव था तथा अमृतविनोद देशमुख यह अक्सर आरोपी के गांव में जाकर जहां उसका ईट भट्टा है वहा जाकर उन्हें गाली गलौज कर धमकी देता था, इन्हीं कारणों के चलते आरोपियों द्वारा विनोद देशमुख की हत्या करने के लिए चार से पांच दिनों पूर्व साजिश रचते हुए 19 अगस्त की रात 9ः00 बजे के दौरान जब वह गिरोला से मशीनटोला की ओर डामर रोड से आ रहा था तो उसे रोक कर उसकी आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर लोहे की तलवार से सर ,गर्दनवह पीठ पर वार कर उसकी हत्या कर दी तथा उसके मृत शरीर वह मोटरसाइकिल को बाग नदी के किनारे लंबाटोला गांव के झुड़पी जंगल परिसर में फेंक दिया यह उन्होंने स्वीकार किया।

उपरोक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के दिशा निर्देशों व मार्गदर्शन में हत्या के इस गंभीर मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने का कार्य लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर, पोउपनि शरद सैंदाणे , स.फौ.राजेन्द्र मिश्रा, पो.हवा. सुजित हलमारे, पो.हवा. संजय चव्हाण, पो.हवा. महेश मेहर, पो.हवा. सोमेन्द्रसिग तुरकर,पो.हवा.दिक्षीतकुमार दमाहे, पो.हवा. सुबोधकुमार बिसेन, पो.हवा. प्रकाश गायधने, पो.हवा.इंद्रजित बिसेन, पो.हवा. भोजराज बहेकार, पो शी . हंसराज भांडारकर, पो.शी संतोष केदार, पो शी राकेश इंदुरकर, पो शी दुर्गेश पाटील, मपोशी स्मिता तोंडरे, मपोशी कुमुद येरणे चापोहवा. लक्ष्मण बंजार, चापोशी राम खंदारे द्वारा की गई।

फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान की विशेष पहल के तहत गोंदिया जिला पुलिस बल ने10 किलोमीटर साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन

बुलंद गोंदिया। जिला पुलिस बल ने, पुलिस अधीक्षक, गोंदियागोरख भामरे के मार्गदर्शन में, 23 अगस्त 2025 को प्रातः 06.00 बजे पुलिस मुख्यालय गोंदिया से 10 किलोमीटर साइक्लोथॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह साइक्लोथॉन प्रतियोगिता पुलिस मुख्यालय गोंदिया से शुरू होकर आईटीआई-फुलचुर नाका-जयस्तंभ चौक-अंबेडकर चौक-नेहरू चौक तक 5 किलोमीटर की दूरी तय करके नेहरू चौक-जयस्तंभ चौक-फुलचुर नाका-पुलिस मुख्यालय गोंदिया पर समाप्त हुई। इस साइक्लोथॉन प्रतियोगिता में गोरख भामरे, पुलिस अधीक्षक गोंदिया, अभय डोंगरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोंदिया, श्रीमती रोहिणी बनकर, उप-विभागीय पुलिस अधिकारी गोंदिया, प्रमोद मडामे, उप-विभागीय पुलिस अधिकारी आमगाँव, साहिल झारकर, उप-विभागीय पुलिस अधिकारी तिरोडा ,पुरुषोत्तम अहेरकर, पुलिस निरीक्षक स्थानीय अपराध शाखा गोंदिया, गोंदिया,रामदास शेवटे, उप पुलिस अधीक्षक गृह, जिले के सभी पुलिस थानों के प्रभारी अधिकारियों के साथ-साथ गोंदिया जिला पुलिस बल के पुलिस अधिकारी और उनके परिवार, संडे साइकलिंग ग्रुप के सदस्य और स्थानीय महिला-पुरुषों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।10 किमी साइक्लोथॉन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतियोगियों में पुरुष वर्ग और महिला वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले धावकों को पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे द्वारा पदक और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। गोरख भामरे, पुलिस अधीक्षक गोंदिया और अभय डोंगरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोंदिया कैंप देवरी के मार्गदर्शन में, श्रीमती रोहिणी बनकर, उप-विभागीय पुलिस अधिकारी गोंदिया, प्रमोद मडामे, उप-विभागीय पुलिस अधिकारी आमगांव, साहिल झरकर, उप-विभागीय पुलिस अधिकारी तिरोड़ा, पुरुषोत्तम अहेरकर, पुलिस निरीक्षक स्थानीय अपराध शाखा, श्री रामदास शेवाटे, उप पुलिस अधीक्षक गृह प्रभारी, श्री नागेश भास्कर, यातायात शाखा, श्री राजेश सरोदे, रा, ने उक्त प्रतियोगिता की सफलता पूर्वक नियोजन किया ।

रेत तस्करी पर कार्रवाई लाखों का माल जब्त

भंडारा-पुलिस थाना कारधा के अंतर्गत स्थानीय अपराध शाखा ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की. दो अलग-अलग मामलों में कुल 22 लाख 12 हजार रुपये का माल जब्त किया गया. पुलिसकर्मी दोंडोडे और श्रीकांत मस्के ने स्टाफ के साथ गश्त के दौरान अवैध रेत परिवहन करते हुए आकाश खोब्रागड़े (29) और अनिल ठाकुर (27), दोनों निवासी सुरेवाड़ा/पुर्नवास को पकड़ा. वे बिना नंबर के ट्रैक्टर से रेत का परिवहन कर रहे थे. दूसरे मामले में उसरागोंदी परिसर क्षेत्र में आरोपी मंड़णगांव निवासी मंगेश शालिक निंबार्ते (32) अवैध रेत परिवहन कर रहा था. पुलिस ने उसे ट्रैक्टर रोकने का संकेत दिया, लेकिन उसने भागने की कोशिश की. पीछा करने पर आरोपी ने ट्रॉली का हाइड्रोलिक उठाकर एक ब्रास रेत सड़क पर फैला दी. इसके बावजूद पुलिस ने ट्रैक्टर और रेत जब्त कर लिया. तीनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धारा, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

27 सितंबर से पूजा स्पेशल ट्रेन

गोंदिया-दुर्गा पूजा पर्व के अवसर पर यात्रियों को देखते हुए दपूमरे द्वारा विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है. जिसके अनुसार इतवारी-शालीमार-इतवारी (08865/08866) दुर्गा पूजा एक्सप्रेस का संचालन किया जाएगा. यह ट्रेन इतवारी से शालीमार के लिए 27 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक तथा शालीमार से इतवारी के लिए 28 सितंबर से 2 अक्टूबर तक कुल 5 फेरों के लिए चलाई जाएगी. इस ट्रेन में एसएलआरडी 2, सामान्य 5, स्लीपर 8, एसी-3/02 व एसी-2/01 कोच है. यह गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, चांपा, रायगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटा नगर, खड़गपुर, संतरागाछी व शालीमार में रहेगा.

मोबाइल नंबर बदलकर 1.67 लाख की धोखाधड़ी

भंडारा-साइबर अपराधों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. भंडारा में एक अज्ञात व्यक्ति ने एक मोबाइल नंबर बदलकर 1,67,693 रुपये की धोखाधड़ी की है. यह धोखाधड़ी 7 जनवरी 2024 से 6 मई 2025 के बीच साकोली तहसील के किन्हीमोखे निवासी संजीव शिवराम मेश्राम (46) के पिता के बैंक ऑफ महाराष्ट्र, विर्सी शाखा के बचत खाते क्रमांक 20202241697 से हुई. इस खाते से जुड़े उनके बड़े भाई होमराज मेश्राम के मोबाइल नंबर की जगह आरोपी ने जानबूझकर एक अलग मोबाइल नंबर दर्ज कर एक नया यूपीआई आईडी बनाया. इसके बाद, उसी यूपीआई आईडी के माध्यम से पैसे निकालकर 1,67,693 रुपये की बेईमानी से धोखाधड़ी की गई. इस मामले में, शिकायतकर्ता की रिपोर्ट के आधार पर साइबर पुलिस स्टेशन, भंडारा में एक मामला दर्ज किया गया है. मामले की जांच पुलिस निरीक्षक नितिन चिंचोलकर कर रहे हैं.

संपादकिय...

छोटे प्रश्न का बड़ा दायरा

कभी जब कोई विधायक विधानसभा में आईने बना देता है, तो प्रदेश अपनी असली सूरत में खुद को देख लेता है। एक बहुत छोटा सा प्रश्न भी बड़ा हो सकता है बशर्ते इसमें झांकने का सबब बड़ा हो। ऐसे ही एक छोटे से प्रश्न के दायरे को शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने बड़ा कर दिया है। विधायक ने सांस्कृतिक समारोहों में स्थानीय कलाकारों की भागीदारी को सुनिश्चित कराने के इरादे से अपने सवाल को वार्षिक मेलों के आय-व्यय के ऑडिट से जोड़ा है। हालांकि जवाब भी आ गया, मगर जहां थे, वहीं रहेंगे की स्थिति में सांस्कृतिक समारोहों की दौलत में हिमाचली कलाकार का वजूद टंगा रहेगा। होना तो यह चाहिए कि हिमाचली कलाओं के संरक्षण में कलाकार को 'रोजगार' का आश्वासन मिले। हिमाचल में अगर कोई व्यक्ति बीएड, इंजीनियरिंग या एमबीए के पाठ्यक्रम के बजाय प्रदेश के गीत-संगीत के जरिए स्वरोजगार हासिल करना चाहता है, तो हमारी नीति क्या है। जाहिर तौर पर प्रदेश भर में यूं तो हर गांव से कोई न कोई मेला या सांस्कृतिक-धार्मिक समारोह जुड़ा है, फिर भी दर्जनों बड़े समारोह या मेले खास महत्त्व रखते हैं। एक तरह से ये समारोह सांस्कृतिक निवेश हैं, जहां हिमाचली कलाकार को रोजगार मिल सकता है। जरूरत है स्पष्ट नीति और मेला एवं समारोह प्रबंधन की। विधानसभा को बताया गया कि सरकारी तौर पर सांस्कृतिक समारोह के लिए 4366090 रुपए आबंटित हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ कि किस मेले पर कुल कितना खर्च हुआ या पूरे प्रदेश के मशहूर व चर्चित मेलों के आयोजन के आय-व्यय का हिसाब क्या है। यह बताना असंभव भी नहीं है क्योंकि अब कमाई के स्रोत के रूप में प्लाटों की बिक्री और व्यापारिक मेलों की संगत में पलते उद्देश्यों में निखार आया है, लेकिन वित्तीय प्रबंधन की दृष्टि से हर समारोह अपने गीत गा रहा है और बिना किसी परिपाटी के सुर से सुर मिला रहा है। ये मेले कमोबेश प्रशासनिक और राजनीतिक मर्जी के गुलाम हो गए हैं, जहां नेताओं की पगडियों के हिसाब से रौनक घट या बढ़ रही है और इसी तरह सांस्कृतिक समारोहों का स्तर भी सियासी औलाद की तरह प्रश्रय पाने लगा है। यही वजह है कि सांस्कृतिक संध्याओं के नाम वजनी लिफाफे कुछ ऐसे कलाकारों पर न्योछावर होते हैं, जिनका संबंध हिमाचल से नहीं होता। पिछले साल एक मशहूर पंजाबी सिंगर की गलियों में हिमाचल के कई आयोजन चले तो श्रोता भी इन समारोहों की हैसियत का अनुमान लगाते आश्चर्य चकित होते रहे, लेकिन गरीब, बेसहारा और कमजोर फलक पर तो हिमाचली कलाकार को ही रहना पड़ा। ऐसे में मुख्य बिंदु विधायक के छोटे से प्रश्न से शुरू होकर सांस्कृतिक समारोहों का पूर्ण कायाकल्प चाहता है। ये तमाम मेले और समारोह आज अगर इसी व्यवस्था में कम से कम पचास करोड़ के आय-व्यय का हिसाब भी पैदा करते हों, तो इन्हें सौ करोड़ तक पहुंचाने की रूपरेखा इस दृष्टि से बनानी होगी ताकि ये हिमाचल के मनोरंजन उद्योग को बढ़ावा दें। मेलों के बीच सांस्कृतिक आयोजन तो एक विशिष्टता और प्रमाणिकता हो सकते हैं, लेकिन इनके साथ व्यापारिक व खेल गतिविधियां भी जुड़ती हैं। छिंजों के आयोजन में समाज का वित्तीय योगदान, प्रशासन की भूमिका और मनोरंजन की मांग पर कलाकारों का रोजगार पनप रहा है। इसी के साथ अब ट्रेड बाजारों की व्यापकता में केवल पारंपरिक नहीं बल्कि नए व्यवसाय को नागरिक क्षमता से भी जोड़ रहे हैं।

नन्हीं कड़ी में दिन विशेष - पत्रकारिता, एक जिम्मेदारी

आज के इस आधुनिक युग में जहां सोशल मीडिया का महत्व बढ़ता जा रहा है वहीं प्रिंट मीडिया और टी.वी. समाचार चैनलों के सम्मुख सच्ची घटनाएं एवं उनका त्वरित प्रसारण करने की एक चुनौती खड़ी हो गई है। सोशल मीडिया की खबरों की सच्चाई एवं पारदर्शिता की जिम्मेदारी किसी पर भी निर्धारित नहीं की जा सकती है पर मीडिया कर्मियों के द्वारा दिखाई और छापी गई खबरों की सत्यता की जिम्मेदारी पत्रकारों को लेनी पड़ती है। ऐसे विकट समय में सभी पत्रकार बंधुओ के ऊपर सच्चाई से सरोकार रखने वाली खबरों को दिखाने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। आइए आज के इस लेख में हम सभी पत्रकारों की जिम्मेदारी और उनके कर्तव्यो पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।आज के आधुनिक युग में पत्रकारिता से जुड़ना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी और जोखिम भरा कार्य बन गया है। समय के साथ मीडिया के साधनों में भी काफी विस्तार हुआ है। पहले एक समय था जब पत्रकार केवल समाचार पत्र के लिए पत्रकारिता करते थे। आज भी समाचार पत्र अपनी भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही टीवी समाचार चैनलों की भूमिका भी बहुत बढ़ गई है। इन चैनलों के माध्यम से चौबीस घंटे समाचार दिखाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया भी लोगों तक समाचार पहुंचाने का एक सशक्त और प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म, यूट्यूब चैनल, व्हाट्सएप और अन्य कई माध्यम सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। यदि विश्वसनीयता की बात की जाए तो आज भी आम लोग सोशल मीडिया के समाचारों से अधिक अखबार और टीवी चैनलों पर विश्वास करते हैं। अक्सर देखा जाता है कि व्हाट्सएप, यूट्यूब आदि चैनलों पर आम लोगों के द्वारा भी भ्रामक खबरों की जानकारी परोसी जाती है जो कि सच्चाई से कोसों दूर होती है, इस कारण से भी सोशल मीडिया पर पत्रकारिता करने वाले सच्चे लोगों के समाचार को भी ज्यादा महत्व नहीं मिल पाता है जबकि ये लोग भी पूरी मेहनत करके खबरों की खोज करते रहते है। समाचार प्रदाता सभी माध्यमों का कार्य समाचारों को आम जनता तक पहुंचाना है। समाज के भीतर चल रही गतिविधियों को सबके सामने लाना हर किसी के सामर्थ्य की बात नहीं होती। इस कारण से पत्रकारिता का पेशा या शौक जोखिम भरा होता जा रहा है। पत्रकारिता के कई प्रकार होते हैं, लेकिन मुझे व्यक्तिगत रूप से खोजी पत्रकारिता (इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म) सबसे अधिक महत्वपूर्ण और जोखिमपूर्ण लगती है। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है क्योंकि एक पत्रकार समाज की राय बनाने में मुख्य भूमिका निभाता है और जनता की आवाज को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करता है। प्रशासन को समाज के प्रति जवाबदेह बनाने में भी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता की अहम भूमिका है — यह न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के साथ चौथे स्तंभ के रूप में हमेशा तटस्थ रहकर कार्य करते हैं। पत्रकारिता के अनेक महत्वपूर्ण पहलू हैं जिन्हें समझने की आवश्यकता है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू जनता की आवाज बनना है। पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं को सामने लाना और उनके समाधान की कोशिश करना होता है। सूचना का पहला माध्यम पत्रकारिता ही है। सामान्य जनता और समाज को भरोसेमंद और निष्पक्ष जानकारी देना पत्रकारों का कर्तव्य और जिम्मेदारी भी है। पत्रकारों के जागरूक होने के कारण आम लोग सही निर्णय लेने में सक्षम बनते हैं। खोजी पत्रकार भ्रष्टाचार को उजागर करने में अहम भूमिका निभाते हैं। पत्रकारों के डर और भय के चलते सरकारी अधिकारी भी बिना किसी ढील के अपना कार्य करते हैं। पत्रकार सरकार और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नजर रखते हैं। वे समाज में व्याप्त बुराइयों पर निगरानी रखते हैं और भ्रष्ट तथा अपने कर्तव्यों को नकारने वाले ऊंचे पदों पर विराजमान लोगों के कार्यों को जनता के सामने लाने में अपनी भूमिका को सार्थक बनाते हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाने का कार्य स्वतंत्र पत्रकारिता से संभव है। आम नागरिकों के सामान्य अधिकारों की रक्षा भी स्वतंत्र पत्रकारिता के माध्यम से ही हो सकती है। हमारा भारत देश बहुत ही विशाल है। संपूर्ण देश की खबरें इकट्ठा करना और उनका प्रसारण करना टी.वी. चैनलों के माध्यम से संभव हो पाता है, परंतु स्थानीय समाचारों के लिए आज भी लोग अखबार पढ़ना पसंद करते हैं। वर्तमान समय में बात करें तो आज के युग में कॉरपोरेट जगत के बड़े संस्थानों का मीडिया पर प्रभाव दिखने लगा है। टीवी न्यूज चैनलों पर खबरों को भव्य रूप और सनसनीखेज तरीके से पेश किया जाता है। देश के ताजा हालातों और राजनीतिक घटनाओं पर डिबेट का आयोजन हर टी.वी. समाचार चैनल का नियमित कार्य बन गया है। किसी भी घटना के पक्ष और विपक्ष में बहस करवाकर अनुभवी विचारकों की राय जनता के सामने रखने की कोशिश की जाती है। राजनीतिक प्रवक्ताओं के साथ सार्थक बहस कर जनता के सवालों का जवाब पत्रकारों द्वारा दिलवाया जाता है। इससे राजनीतिक पार्टियों की जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ती है। यह सब जागरूक पत्रकारिता के कारण संभव हो पाया है। लेकिन आज निष्पक्ष पत्रकारिता पर भी कई सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक पार्टियां कुछ मीडिया संस्थानों पर पक्षपात करने का आरोप लगाती हैं टी.वी.चैनलों द्वारा एकतरफा समाचार दिखाए जाने से जनता के मन में भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है। पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग के आरोप कई मीडिया संस्थानों पर लगते रहे हैं। यदि समय रहते इसमें सुधार नहीं हुआ तो निष्पक्ष पत्रकारिता पर बड़ा प्रश्नचिह्न लग सकता है। ऐसे विकट समय में पत्रकारों पर भी हर एक पहलू की जानकारी जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। कई लोग यह भी आरोप लगाते हैं कि टी.वी. चैनलों पर अनावश्यक खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है, जिससे पत्रकारिता के मूल उद्देश्य को नुकसान पहुंच रहा है।अक्सर निष्पक्ष पत्रकारों पर राजनीतिक दबाव डाला जाता है, उन्हें प्रलोभन दिए जाते है, कई बार तो उन्हें धमकाया भी जाता होगा, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता प्रभावित हो रही है लेकिन ऐसे मुश्किल हालातों में भी पत्रकार अपना दायित्व पूर्ण रूप से निभाने का जोखिम भरा कार्य करने से हिचकिचाते नहीं है। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज के कारण भी सच्चाई उजागर करने वाले पत्रकारों की मेहनत कमजोर पड़ रही है। सोशल मीडिया पर बिना जांच-पड़ताल के खबरों को तेजी से वायरल कर दिया जाता है। इस वजह से झूठी और गलत खबरें तेज़ी से फैलती हैं और सच्चाई दब जाती है। इससे सोशल मीडिया पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। यदि लोग खबरों की सच्चाई की जांच करने के बाद सोशल मीडिया का उपयोग करने लगें तो पत्रकारिता को एक नई ऊंचाई मिल सकती है। इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष जानकारी लोगों तक पहुंचने में बहुत मदद मिल सकेगी। आज का पढ़ा-लिखा आम आदमी निष्पक्ष और पक्षपातपूर्ण पत्रकारिता में फर्क समझने लगा है। साक्षर लोग अधिक सजग हो गए हैं और मीडिया तथा मीडिया हाउस पर कड़ी नजर रखते हैं और समय-समय पर पक्षपातपूर्ण पत्रकारिता पर सवाल भी उठाते हैं। विचारों की इस श्रंखला के अंत में हम खोजी पत्रकारिता को समझने का प्रयास करेंगे। अभी भी कई पत्रकार और संस्थान सच्चाई को उजागर करने और जनता की समस्याओं को प्रमुखता से दिखाने का साहस रखते हैं। लेकिन पत्रकारिता को मजबूत तभी बनाया जा सकता है जब पत्रकारों को स्वतंत्र और निष्पक्ष खबरें प्रकाशित करने की आजादी मिले।पत्रकारों को भी अपने पेशे की गरिमा का ध्यान रखते हुए सच्चाई को समाज के सामने लाने का कार्य साहसपूर्ण तरीके से करते रहना चाहिए। खास तौर पर महिलाओं के अधिकारों के लिए प्रयास करना और उनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। यदि पत्रकार चाहें तो उनके द्वारा महिलाओं के हकों की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता हैं। यदि किसी मजबूर महिला पर कोई अत्याचार या अन्याय हो रहा है तो उसे निष्पक्ष तरीके से अखबार में प्रकाशित कर आम जनता के सामने लाया जा सकता है। यदि परिवारों के अंदर महिलाओं पर होने वाले अत्याचार सार्वजनिक होने लगें तो ऐसे परिवारों का सामाजिक बहिष्कार होना शुरू हो जाएगा और फिर कोई भी व्यक्ति महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय करने से पहले सौ बार विचार अवश्य करेगा।महिलाओं पर अत्याचार करने वाले परिवारों का सामाजिक बहिष्कार जरूरी है ताकि वे अपनी करतूतों के लिए शर्मिंदा हों। सामाजिक बहिष्कार के कई तरीके हो सकते हैं। ऐसे परिवारों की खुशी या गमी के अवसरों में शामिल न हों, उनके साथ किसी भी प्रकार के सामाजिक संबंध न रखें। यदि यह सब होने लगेगा तो पत्रकारों की मेहनत रंग ला सकती है और समाज में सुधार की एक नई क्रांति लाई जा सकती है। पत्रकारिता समाज का आईना है। इस जिम्मेदारी भरे पेशे से जुड़े सभी लोग जितनी ईमानदारी और मेहनत से काम करेंगे, समाज और लोकतंत्र उतना ही अधिक मजबूत होगा। इसलिए आइए हम सभी निष्पक्ष खबरें दिखाने वाले अखबारों और टीवी न्यूज चैनलों के महत्व को समझें, उन्हें प्रोत्साहित करें और सोशल मीडिया पर बिना जांचे कोई भी खबर साझा न करें। पत्रकारों और हम सबके प्रयासों से समाज के हर व्यक्ति की भलाई संभव हो सकती है। अंत में एक बार फिर से समाज के सजग प्रहरी सभी पत्रकारों, संपादकों और मीडिया संस्थानों को उनके साहसिक कार्य के लिए नमन और वंदन। अगली कड़ी में फिर हम सभी मिलकर ऐसे ही समाज के सजग प्रहरियों पर चर्चा करते रहेंगें.....

तमन्ना मतलानी
गोंदिया

बाजारीकरण में छात्रों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका कितनी कारगर

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस विशेष 5 सितंबर 2025

शिक्षक को माता-पिता तुल्य माना जाता है, अभिभावकों के बाद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक ही सबसे ज्यादा जिम्मेदार होते है, कहते है कि देश के आनेवाले पिढी का विकास होगा या विनाश, यह दोनों बातें शिक्षक की भूमिका पर निर्भर करते है, क्योंकि शिक्षक अपने ज्ञानरूपी अध्यापन से छात्रों के बुद्धिकौशल्य को पहचानकर उन्हें योग्यतापूर्वक निखारता है। वहीं अगर शिक्षक अपनी भूमिकाओं को और अपने पद की गरिमा को भूल जाता है, तो सम्पूर्ण समाज को इसकी सजा लंबे समय तक भुगतनी पड़ती है। शिक्षक गुणों की खान कहलाते है, जिनमें विषयज्ञान, संचार कौशल, शिक्षण के प्रति जुनून, सकारात्मक भाव, रचनात्मक विचार, शोधकर्ता, धैर्यवान, मृदुभाषी, समय का मोल जाननेवाले, बिना किसी भेदभाव के सभी छात्रों को एक नजर से देखनेवाले, उनके कलागुणों को समझनेवाले, हमेशा छात्रों के भलाई और उनके उज्वल भविष्य के लिए संघर्षरत रहने जैसे गुण शिक्षक में होते है। यही गुण एक सच्चे शिक्षक की पहचान होती है। शिक्षक छात्रों के लिए आदर्श मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत और मित्र होते है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। छात्रों के नैतिक और चारित्रिक विकास में भी शिक्षक योगदान देते है अर्थात छात्रों को पढ़ा-लिखाकर उन्हें बेहतर जीवनयापन के योग्य बनानेवाले व सुजान नागरिक में तब्दील करनेवाले शिक्षक ही होते है। शिक्षा का सही अर्थ केवल किताबी ज्ञान या तकनीकी कौशल प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक क्षमताओं का समग्र विकास होता है। इसका उद्देश्य ज्ञान और अनुभव के माध्यम से व्यक्ति को बुद्धिमान, संवेदनशील और समाज के लिए उपयोगी बनाना है, ताकि वह जीवन की समस्याओं का समाधान कर सके और एक सभ्य नागरिक बन सके।

एक वक्त था जब शिक्षा समाजसेवा का एक भाग हुआ करता था, शिक्षा की लौ जलाने के लिए समाजसुधारक संघर्ष करते हुए समाज में नयी क्रांति लाते थे। लेकिन आज के बाजारीकरण के युग में शिक्षा को व्यवसाय के रूप में देखा जाता है। देश के बड़े-बड़े सरकारी अधिकारी, नेता, कर्मचारी यहाँ तक की खुद सरकारी शिक्षक भी अपने बच्चों को महँगी निजी शिक्षा संस्थानों में पढ़ाने के लिए प्राथमिकता देते है क्योंकि वे सरकारी शिक्षा प्रणाली से शायद संतुष्ट नहीं है और अमीर घर के बच्चें तो सीधे विदेशों में पढ़ना पसंद करते है। लाख-डेढ़ लाख रुपये माह का वेतन पाने वाले सरकारी शिक्षक भी अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाते है, आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या सरकारी शिक्षकों को खुद के शिक्षा प्रणाली पर ही भरोसा नहीं है? देश में शिक्षक जैसे सबसे पवित्र पेशे में भी बहुत ज्यादा घृणास्पद घटनाएं शिक्षा जगत को कलंकित करती रही है, आज वर्तमान में भी यह स्थिति कुछ खास बदली नहीं है। अभी महाराष्ट्र राज्य में सरकारी शालार्थ आयडी घोटाला भी खूब चर्चा में है, सैकड़ो सरकारी अनुदानित स्कूलों में शिक्षकों के झूठे आंकड़े दिखाकर बरसों से वेतन के नाम पर सरकार के करोड़ों रुपयों का गबन किया जा रहा था।

शिक्षा में भ्रष्टाचार का बोलबाला भी चरम पर नजर आता है, पता सबको होता है, लेकिन इसके विरुद्ध बोलना कोई नहीं चाहता। महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित वरिष्ठ महाविद्यालयों में शिक्षक भर्ती के नाम पर अक्सर भ्रष्टाचार की खबरें देखने-सुनने-पढ़ने मिलती है, यह भर्ती एक गठित समिति द्वारा की जाती है, विश्वविद्यालय के कुलगुरु और राज्य सरकार के मंत्रियो से शिकायत करने के बावजूद सुधार के नाम पर केवल आश्वासन ही सुनने मिलता है। अब तक यह भर्तियां सरकार ने पूर्णत अपने जिम्मे नहीं ली है। ऐसी प्रणाली से योग्यता होने के बावजूद गरीबों और ईमानदार का प्रोफेसर बनने का सपना संघर्ष और भ्रष्टाचार में दब जाता है।

देश के आर्थिक रूप से सक्षम कुछ निजी शिक्षा संस्थानों की हालत संतोषजनक है, परंतु अधिकतम निजी शिक्षा संस्थानों में शायद सबसे ज्यादा शिक्षित शिक्षक सबसे कम वेतन में काम करते है। बहुत से निजी स्कूल, महाविद्यालय में शिक्षक एक दिहाड़ी मजदुर से भी कम वेतन मेहनताना पाता है, साथ ही एक पद पर कार्य करते हुए संस्थान के अन्य कार्य भी उन्हें जबरदस्ती करने होते है। इस क्षेत्र में बेरोजगारी का आलम भी सर्वोच्च है। आज के महंगाई के समय में ढाई-तीन हजार रुपये माह का वेतन कोई मायने नहीं रखता, फिर भी बड़ी संख्या में शिक्षक इस वेतन में भी कार्य कर रहे है, ये बड़े ही शर्म और दु:ख की बात है हमारे लिए। अनेक शिक्षा संस्थानों में संस्थानों के मालिक शिक्षकों से गैर व्यवहार करते है, अपने निजी कार्य में शिक्षकों को व्यस्त करते है। अनेक संस्थानों में तो महीनों-सालों तक शिक्षकों का वेतन बकाया रखा जाता है, तो कहीं जगह पदोन्नति रोकी जाती है, मानसिक यातनाएं भी दी जाती है, इसलिए शिक्षकों में आत्महत्याओं की घटनाएं भी बहुत हो रही है।

शिक्षा जगत में छात्रों का भी अब नया रूप देखने मिल रहा है, छोटे-छोटे बच्चे भी अपने स्कूली बैग में अवांछित वस्तुएँ लेकर घूमते मिलते है, जिसमे घातक हथियार भी होते है। पहले शिक्षक छात्रों को गलती पर पिट देते थे तो भी अभिभावक कुछ ख़ास ऐतराज नहीं करते थे, अब छात्रों को शिक्षकों द्वारा गलती पर मारना तो दूर डांटना भी गुनाह जैसा महसूस होता है, कुछ माह पूर्व पंजाब में स्कूली छात्र ने अपने प्रधानाचार्य को चाकू घोप कर मार दिया। अब छात्र भी शिक्षा संस्थानों में अपने शिक्षकों को धमकाने की घटनाएं उजागर हो रही है। हमारे देश में वैसे ही नाबालिग अपराधियों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, अभिभावक व्यस्तता दर्शाते है, शिक्षक व्यावसायिक होते जा रहे है, फिर देश की पीढ़ी तो अपराधों की दलदल में फसना लाजमी है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राज्यसभा में दी गई जानकारी अनुसार, साल 2022 के आंकड़ों द्वारा पता चलता है कि, नाबालिग अपराधियों में महाराष्ट्र राज्य देश में अव्वल स्थान पर है, फिर इसके बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु राज्य का नंबर आता है।

लोग कहते है कि सरकारी स्कूलों की हालत खराब है, जबकि वहां शिक्षकों का वेतन भरपूर है, दूसरी ओर देश के अधिकतर निजी संस्थानों में शिक्षकों का वेतन बेहद कम है, तो फिर ऐसी स्थिति में देश की शिक्षा प्रणाली मजबूत कैसे बनेगी? शैक्षणिक गुणवत्ता का स्तर कैसे बढ़ेगा? निजी संस्थानों में क्या छोटी सी तनख्वाह में शिक्षक पुरे जी-जान से देश का उज्वल भविष्य को बना सकता है, जबकि खुद उस शिक्षक का वर्तमान अंधकारमय है। देश में अधिकतर जगह यही स्थिति है, यह सब देखते हुए क्या सच में आज का शिक्षक देश के पीढ़ी का उज्वल भविष्य का शिल्पकार कहलाने योग्य भूमिका में है। केन्द्रीय विद्यालय, आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे शिक्षा संस्थान हर गाँव, हर शहर की जरुरत है, प्रत्येक विद्यार्थी को बिना आर्थिक भेदभाव के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मौका मिलना चाहिए।

बिहार के निजी कोचिंग सेंटर के मशहूर शिक्षक खान सर ने हाल ही में अपने एक मुलाखत में बताया था, कि देश में सरकारी शिक्षा प्रणाली बेहद ख़राब स्थिति से गुजर रही है, इसका सबूत यह है कि निजी कोचिंग सेंटर छात्रों से भरे होते है। शिक्षा हेतु छात्रों की निर्भरता निजी कोचिंग सेंटर पर बेहद बढ़ रही है। कहने को तो सब छात्रों के पास शायद नाममात्र की डिग्री आ भी जाएं, लेकिन छात्रों का सर्वांगीण विकास अपने लक्ष्य से कोसों दूर रहेगा। जीवन का सबसे बड़ा कार्यकाल तन मन धन के साथ हम शिक्षा में खर्च करते है, अगर वो शिक्षा हमें बेहतर जीवनमान का स्तर उपलब्ध कराने में योग्य साबित होती है तो वह सही है, वरना जीवन एक संघर्ष बनकर रह जाता है। शिक्षक जब तक समाज सुधारक की भूमिका में अपने कार्य को नहीं समझेंगे तब तक देश के उज्वल भविष्य पर सवाल उठते रहेंगे।

- डॉ. प्रितम भि. गेडाम

कृष्ण अवतारी श्री रामदेव बाबा जन्मोत्सव भादवा दूज पर निकाली भव्य पचरंग ध्वज यात्रा

जय बाबारी के जय घोष से गूंज उठा शहर, बढ़-चढ़कर हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

पंप से होते हुए गणेश नगर स्थित श्री रानी सती मंदिर

बुलंद गोंदिया। भगवान श्री कृष्ण के अवतारी श्री रामदेव बाबा जन्मोत्सव भादवा सुदी दूज को मनाया जाता है जन्मोत्सव के इस शुभ अवसर पर रविवार 24 अगस्त को बाबा की भव्य ध्वज यात्रा निकाली गयी जिसमें हजारों श्रद्धालु भक्तगण शामिल हुए तथा वह बढ़-चढ़कर जय बाबारी के जय घोष लगाते हुए आगे बढ़े जिससे संपूर्ण शहर जय बाबा के जय घोष से गूंज उठा। राणी सती मंदिर में ध्वज यात्रा के बाद बाबा के जम्मा व भजनों ने शानदार प्रस्तुति डॉ देवेन्द्र राठी दी जिस पर उपस्थित सभी भक्त झूम उठे। कृष्ण अवतारी बाबा रामदेव का जन्मोत्सव भादवा सुदी दूज को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। बाबा के जन्मोत्सव के इस शुभ अवसर पर गोंदिया के रामदेव भक्त संगम परिवार द्वारा रामदेव दरबार पाल चौक के बापजी महेशजी बंग के आशीर्वाद से चतुर्थ वर्ष में भव्य ध्वज यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें गोंदिया शहर के साथ जिले से व नागपुर बालाघाट राजनांदगॉव व अन्य स्थाने के हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

ध्वज यात्रा का शुभारंभ दोपहर 4ः00 बजे अग्रसेन भवन में बाबा रामदेव का पूजन कर किया गया व अग्रसेन भवन से सब्जी मंडी होते हुए गोंदिया के प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर, चना लाइन ,चांदनी चौक, दुर्गा चौक, गोरेलाल चौक, गांधी प्रतिमा,प्रभात टाकीज ,गुरुनानक गेट, मोदी पेट्रोल पंप से होते हुए गणेश नगर स्थित श्री रानी सती मंदिर पहुंची। यात्रा के श्री रानी सती मंदिर पहुंचने पर ध्वज का पूजा अर्चना कर बाबा की आरती की गई इसके पश्चात बाबा के भजन व जम्मा गायकडॉ देवेन्द्र राठी द्वारा अपनी सुमधुर वाणी में बाबा का जम्मा व भजनों की प्रस्तुति दी जिससे इस अवसर पर रानी सती मंदिर मैं उपस्थित सभी भक्तगण झूम उठे वह जय बाबा के जयकारे लगने लगे।

उमस भरी गर्मी में भी भक्तों का उत्साह नहीं हुआ कम

ध्वज यात्रा के शुभारंभ होने के पश्चात तेज गर्मी व उमस होने के बावजूद भी भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं बच्चे वह पुरुष शामिल थे।गर्मी व उमस में भी बाबा के जयकारे वह जय घोष करते हुए शोभायात्रा निरंतर अपने पथ पर चलती रही।

ध्वज यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत

श्री रामदेव बाबा के जन्मोत्सव पर निकाली भव्य ध्वज यात्रा का मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर भक्तों द्वारा ध्वज यात्रा का स्वागत कर बाबा की पूजा अर्चना कर ध्वज यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए पेयजल , शरबत मिठाई आदि की आदि की व्यवस्था की।

बैलपोला उत्सव प्रतियोगिता ग्रामपंचायत सौंदड की आदर्श पहल -सरपंच हर्ष मोदी का सराहनीय प्रयास

बुलंद गोंदिया। (प्रतिनिधि सडक अर्जुनी)- सडक अर्जुनी तहसील की ग्रामपंचायत सौंदड ने इस वर्ष 2025 में किसानों के पारंपरिक बैलपोला उत्सव को नए और अनोखे स्वरूप में मनाकर पूरे क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत किया। यह उपक्रम लगातार तीसरे वर्ष ग्राम के लोकप्रिय सरपंच हर्ष विनोदकुमार मोदी की पहल से हिरवाजी मंदिर परिसर में शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ। बैलपोला पर्व पर आयोजित इस प्रतियोगिता में गांव और आसपास के किसानों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। किसानों का सम्मान हो, उनकी मेहनत और परंपरा को प्रोत्साहन मिले इस उद्देश्य से सरपंच हर्ष मोदी ने अपने स्वंम छह आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा की और वह विजेताओं को प्रदान किए।

आयोजित प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेता 1)दुर्योधन येरणे -प्रथम स्थान -5100/- 2) यशवंत विठ्ठले - द्वितीय स्थान - 4100/- 3)सावल इरले -तृतीय स्थान -3100/- 4) धर्मराज शेंडे -चौथा स्थान -2100/- 5) डोमरू इरले -पाँचवाँ स्थान -1100/- 6) मारुति डोये -विशेष पुरस्कार -700/- विजेताओ का समावेश है। ग्रामपंचायत सौंदड का यह उपक्रम न केवल तहसील बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श साबित हुआ है। त्योहार, संस्कृति और किसान सम्मान का संगम कराने वाला यह आयोजन सही मायनों में मेहनत को मान का सलाम है। बैलपोला किसानों का सच्चा त्योहार बैलपोला वास्तव में किसानों का सच्चा त्योहार है किसान हमारे देश की रीढ़ हैं ,उनकी मेहनत का सम्मान करने और परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए मैं यह उपक्रम हर वर्ष अपने निजी राशी से आयोजित करता हूँ। आने वाले समय में इस उत्सव को और भी भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा।

- सरपंच हर्ष मोदी
सरपंच सौंदड।

युवक ने फांसी में झूलकर की आत्महत्या

भंडारा-शहर के कस्तूरबा गांधी वार्ड में 18 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की घटना मंगलवार 26 अगस्त को सामने आई. मृतक का नाम बल्लारपुर, जिला चंद्रपुर निवासी स्वयंम राजा सांडे (18) है. वह अपने मामा विक्की रूपसिंग सोनेकर के घर, कस्तूरबा गांधी वार्ड, भंडारा में रह रहा था. स्वयंम ने घर की ऊपरी मंजिल पर पंखे के हुक से स्कार्फ के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. इस घटना की जानकारी मृतक के मामा विक्की रूपसिंग सोनेकर ने भंडारा पुलिस स्टेशन को दी. उनकी रिपोर्ट के आधार पर, भंडारा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

पर्यटन स्थलों को निधि का इंतजार

गोरेगांव-तहसील में पर्यटन स्थलों की कमी नहीं है. यहां चुलबंध डैम, जांभुलपानी तालाब, कटंगी डैम, कलपाथरी डैम, पांगडी-धानुटोला तालाब, पोंगेझरा गेट तथा नागझिरा मुरदोली प्रवेश द्वार जैसे पर्यटन स्थल है. जहां अनेक पर्यटक आया करते हैं. छुट्टियों के दौरान पांगडी धानुटोला, मुरदोली चुलबंध डैम व कटंगी डैम जैसी जगहों पर बड़ी तादाद में अपने परिवार के साथ पर्यटक दिखाई देते हैं. जिसमें अन्य जिलों के पर्यटक भी शामिल हैं. जिस कारण यहां ग्रामीणों को छोटा मोटा रोजगार प्राप्त हो रहा है. ऐसे में इन पर्यटन स्थलों के सौंदर्याकरण पर थोड़ा ध्यान दिया जाए तो स्थिति बिलकुल बदल सकती है. यहां रोजगारी के साधन और भी बढ़ सकते हैं, साथ ही राजस्व के रूप में प्रशासन को आवक शुरू हो सकती है. लेकिन ऐसा कुछ होता नजर नहीं आ रहा है. यहां सौंदर्गीकरण तो दूर रहा उल्टा बचाकुचा सौंदर्याकरण भी अब उजाड़ होता जा रहा है

आए दिन हो रही चोरी की घटनाएं

तिरोड़ा-शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी की घटनाएं बढ़ते ही जा रही है. जिसमें बेटरी, वाटर पंप, वाहन, आभूषण सहित अन्य चोरियों का समावेश है. चोरों के हौंसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे दिन में ही घर के सामने रखे वाहनों को भी चोरी करने से नहीं चुक रहे हैं. शहर के अधिकांश दुकान व घरों में सीसीटीवी केमरे लगे हैं फिर भी यह घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं. बाजार परिसर में ऐसी कई वारदातें हुई हैं जिसमें चोरों ने अनेक वाहनों पर हाथ साफ किया है. जिसके कारण लोग अपने वाहनों को रखने से डरते हैं. बढ़ती चोरी की घटनाओं से एक तरफ शहर वासियों में डर का माहौल है तो दूसरी तरफ चोरों का आतंक बढ़ रहा है.

जिप उपाध्यक्ष सूरेश हर्षे को छात्रोंओ ने बांधी राखी

बुलंद गोंदिया। जिला परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश हर्षे को कनिष्ठ महाविद्यालय सड़क अर्जुनी की कक्षा दसवीं की छात्राओं ने कार्यालय में पहुंचकर राखी बांधी। इस अवसर पर छात्रोंओ को उपाध्यक्ष सूरेश हर्षे ने संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता व शिक्षक प्रत्येक समय विद्यार्थियों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. शिक्षा के क्षेत्र में अपना नाम किस प्रकार आगे बड़े इसके लिए विद्यार्थियों ने अपने जीवन में शैक्षणिक गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जाए इसके लिए शिक्षक व पालकों का मार्गदर्शन जरूरी है. रक्षाबंधन जैसे पर्व पर शिक्षा के क्षेत्र में किस प्रकार अच्छे कार्य किया जा सकते हैं इस और जिला परिषद व मेरा निरंतर लक्ष्य है तथा जल्द ही शिक्षा के क्षेत्र में एक अच्छी पहल करेंगे ऐसा विद्यार्थियों को राखी बांधते समय उपाध्यक्ष ने आश्वासन दिया। साथ ही विद्यार्थी जीवन में प्रत्येक समस्या का हाल किस प्रकार दूर किया जा सके तथा छात्रों को इस रक्षाबंधन के प्रेम के धागा का अर्थ समझाते हुए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर छात्राओं में कु. पूनम रविंद्र पात्रे , कु. आरुषी बबन पंचभाई,जिला परिषद सभापति रजनी ताई कुंभारे, विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती. के. पी. हुकरे, श्रीमती वी. एस. चौधरी, श्रीमती. एम. जी. कापगते व शिक्षण विस्तार अधिकारी डहाके सर उपस्थित थे।

7 महिने के मासूम को पैसे के लिए बिक्री करने मॉ की बेरहमी से हत्या

हत्यारे व मासूम बच्चा बिक्री कि टोली सहित 7आरोपी गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया-डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम खजरी परिसर में 3 अगस्त की सुबह एक अज्ञात महिला का शव मिला था। इस हत्याकांड में किसी भी प्रकार के सबूत न होने के बावजूद गोंदिया जिला पुलिस द्वारा अपनी कौशलता से इस मामले का हल कर 7 माह के मासूम को पैसे के लालच में बिक्री करने के लिए मां की हत्या करने वाले आरोपी सहित बच्चों की बिक्री करने वाले टोली के सदस्यो समेत 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गौरतलब है की डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले खजरी के खेत परिसर में 3 अगस्त 2025 की सुबह एक 20 से 25 वर्ष की अज्ञात महिला का शव मिला था जिसके गले पर धारदार हथियार से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। विशेष यह है कि महिला की किसी भी प्रकार से पहचान न होने पर जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के दिशा निर्देश पर लोकल क्राइम ब्रांच के अनेक पथक का निर्माण कर जांच में टीम जुट गई। इसी दौरान 21 अगस्त को पथक को मृतक महिला की पहचान के संदर्भ में तकनीकी विश्लेषण वह विश्वसनीय जानकारी के अनुसार जानकारी प्राप्त हुई कि वह महिला भिलाई छत्तीसगढ़ की निवासी है। गुप्त जानकारी के आधार पर उसकी जांच करने पर मृतक महिला की पहचान अनु नरेश ठाकुर उम्र 21 वर्ष भिलाई जिला दुर्ग के रूप में की गई। मृतक महिला की पहचान होने पर तकनीकी जांच वह जांच कौशल के आधार पर उपरोक्त अपराध में शामिल आरोपी अभिषेक सिद्धार्थ तुरकर उम्र 36 वर्ष निवासी भिलाई जिला दुर्ग हाल मुकाम डोंगरुटोला/ कवलेवाड़ा तह गोरेगांव जिला गोंदिया के होने का मामला सामने आने पर 22 अगस्त को आरोपी को डोंगरुटोला से गिरफ्तार किया गया। इस मामले पर आरोपी से कड़ाई से पूछताछ किए जाने पर आरोपी ने स्वीकार किया कि मृतक महिला अनु नरेश ठाकुर के साथ उसके अनैतिक प्रेम संबंध थे तथा वह कर्ज में डूब चुका था। पैसों की आवश्यकता होने पर उसने अपनी पत्नी पूनम बहन चांदनी निवासी नेहरू नगर भिलाई जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ तथा गोंदिया निवासी उसकी रिश्तेदार प्रिया तुरकर के साथ मिलकर अनु ठाकुर की हत्या कर उसके 7 माह के दूधमुँहे बच्चों को बिक्री करने की साजिश रच इस घटना को अंजाम दिया था। दिनांक 2 अगस्त 2025 को अभिषेक सिद्धार्थ तुरकर ने अनु ठाकुर को भिलाई दुर्ग से मोटरसाइकिल पर ग्राम खजरी के खेत परिसर में लाकर चाकू से उसके गले पर वार कर उसकी हत्या करने का स्वीकार किया।

मासूम का नकली जन्म प्रमाण पत्र

हत्या के पश्चात चारों आरोपियों ने साठगाठ कर अनु ठाकुर के 7 माह के बच्चे के जाली जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर आर्थिक लाभ के लिए सुरेश रमेश चौहान गड्डाटोली गोंदिया, प्रीति विकास कड़वे कस्तूरबा वार्ड कचरा मोहल्ला गोंदिया ,भावेश अशोक बंसोड़ मनोहर कॉलोनी रामनगर गोंदिया तथा कमल सुखलाल यादव गड्डाटोली गोंदिया को बिक्री की। इस मामले में 22 अगस्त को1) अभिषेक सिध्दार्थ तुरकर 2) सौ. पुनम तुरकर दोनों रा. नेहरुनगर भिलाई दुर्ग, छत्तीसगड 3) प्रिया तुरकर रा. मुर्री गोंदिया 4) सुरेखा रमेश चौहान रा. गड्डाटोली, गोंदिया 5) प्रिति कडबे रा. कचरा मोहल्ला, गोंदिया 6) भावेष अशोक बन्सोड रा. रामनगर, गोंदिया 7) कमल यादव रा. गड्डाटोली, गोंदिया गिरफ्तार कर आगे की जांच के लिए डुग्गीपार पुलिस थाने के सुपुर्द किया गया।

जिले में बड़े पैमाने पर मासूमो की बिक्री की टोली गोंदिया जिले में बड़े पैमाने पर मासूम बच्चों की बिक्री की टोली सक्रिय है इसके पूर्व भी इस प्रकार के मामले सामने आ चुके हैं कुछ मामलों में ग्रामीण क्षेत्रों में कुंवारी माता के बच्चों को इन टोली के सदस्यों द्वारा प्रस्तुति होने तक अपनी निगरानी में रखा जाता है, तथा बच्चा होने के बाद उसके बच्चे को लाखों की कीमत में महानगरों में बेचा जाता है। तथा उस गरीब माता को मात्र चंद्र रुपए ही दे कर यह मानव बिक्री का गोरख धंधा बड़े पैमाने पर चल रहा है। जिसकी कड़ाई से जांच किए जाने पर काफी बड़े सुराग वह बड़े मगरमच्छ हाथ लगा सकते हैं। उपरोक्त कारवाई गोरख भामरे, पोलीस अधीक्षक, गोंदिया व अभय डोंगरे, अपर पोलीस अधीक्षक गोंदिया के दिशा निर्देश आदेशुनार लोकल क्राइम ब्रांच पोलीस निरीक्षक पुरूषोत्तम अहेरकर के मार्गदर्शन में सपोनि धिरज राजुरकर, मपोउपनि वनिता सायकर, पो.उप.नि. शरद सैदाने, स.फो. राजेन्द्र मिश्रा, पो.हवा. सुजित हलमारे, पो.हवा. संजय चव्हाण, पो.हवा. महेश मेहर, पो.हवा. सोमेन्द्रसिग तुरकर, पो.हवा. दिक्षीतकुमार दमाहे, पो.हवा. सुबोधकुमार बिसेन, पो.हवा. प्रकाश गायधने, पो.हवा. इंद्रजित बिसेन, पो.हवा. दुर्गेश तिवारी, पो.हवा. तुलसीदास लुटे, पो.हवा. भुवनलाल देशमुख, पो.हवा. भोजराज बहेकार, पो.हवा. विठ्ठलप्रसाद ठाकरे, पो.हवा. राजकुमार खोटेले, पो.हवा. रियाज शेख, पो.शि. छगन विठ्ठले, पो.शि. हंसराज भांडारकर, पो.शि. संतोष केदार, पो.शि. राकेश इंदुरकर, पो.शि. सुनिल डहाके, पो.शि. राहुल पिंगळे, पो.शि.दुर्गेश पाटील, मपोशि स्मिता तोंडरे,, मपोशि कुमुद येरणे, पोशि रोशन येरणे, पोशि योगेश रहिले, पोशि अश्विन वंजारी चापोहवा लक्ष्मण बंजार, चापोशी मुरली पांडे, चापोशी घनश्याम कुंभलवार, चापोशि राम खंडारे तसेच तांत्रिक शाखेचे सपोनि राहुल दुरशेरवार, पोहवा रितेश लिल्हारे, पोहवा रवि शहारे, पोहवा राजु डोंगरे, पोहवा कल्पेश चव्हाण द्वारा की गयी।

त्योहारों में भी स्वच्छता की अनदेखी

गोंदिया-नगर परिषद में पिछले चार वर्षों से प्रशासक राज हैं. प्रशासनिक व्यवस्था के कार्यकाल में कार्य पारदर्शी और नागरिकों के लिए सुविधाजनक हो जाते हैं. त्योहारों और उत्सवों का दौर चल रहा है. उम्मीद थी कि नप प्रशासन स्वच्छता पर ध्यान देगा. लेकिन शहर के सभी वार्डों में अस्वच्छता अपने चरम पर है और शहरवासियों के लिए इन त्योहारों और उत्सवों को अस्वच्छता के बीच मनाने का समय आ गया है. केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर में हो रहे विकास कार्य होर्डिंग्स पर प्रचार तक ही सीमित रह गए हैं. दूसरी ओर, अमृत योजना में शामिल नगर परिषद इस योजना को ही भूल गया है. इसके अलावा, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण की ओर से शहर में सीवरेज योजना का काम चल रहा है. जबकि यह सब सर्वविदित है, नप ने स्वच्छ शहर अभियान में भी भाग लिया था. इस अभियान में शहर ने 193वां स्थान हासिल किया. इससे पता चलता है कि शहर में स्वच्छता को लेकर प्रशासक कितने गंभीर है. शहर में वर्तमान में त्योहार और उत्सव मनाए जा रहे हैं. इस बीच, गणेश चतुर्थी शुरू हो गई है. राज्य सरकार भजन मंडल और गणेश उत्सव मंडल को पुरस्कार भी देगी. इस बीच, त्योहारों और समारोहों को मनाने के साथ-साथ सरकार ने स्वच्छता को भी महत्व दिया है. लेकिन, स्वच्छता के बारे में नप प्रशासन इस ओर अनदेखी कर रही है. नाली से गंदगी निकालने के बाद, गंदगी कई दिनों तक सड़क पर रहती है. क्योंकि बारिश के दिन हैं, निकाली गई गंदगी वापस नाली में चली जाती है. उम्मीद थी कि नप प्रशासन कम से कम त्योहारों और उत्सवों के दिनों में तो इन समस्याओं पर ध्यान देगा, लेकिन यह उम्मीद भी टूटती जा रही है. परिणामस्वरूप, सवाल यह उठ रहा है कि क्या नप प्रशासन त्यौहारों के अवसर पर भी सफाई को महत्व देगा.

नागपुर-गोंदिया एक्सप्रेस वे को मंत्रिमंडल की हरी झंडी, गोंदिया भंडारा के विकास को मिलेंगी गति,सफर होगा आसान - सांसद प्रफुल्ल पटेल

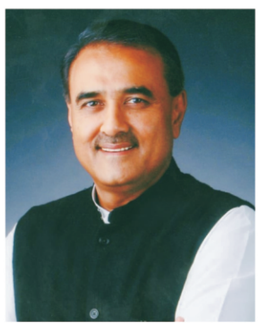

बुलंद गोंदिया। राज्य मंत्रिमंडल की वैठक में नागपुर-गोंदिया एक्सप्रेसवे को हरी झंडी देने के निर्णय पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व सासंद प्रफुल्ल पटेल ने राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस मार्ग के लिए सांसद प्रफुल्ल पटेल लगातार प्रयास कर रहे थे। गौरतलब है कि नागपुर-गोंदिया एक्सप्रेसवे के लिए प्रशासकीय स्वीकृति देने और इसके लिए भूमि अधिग्रहण का निर्णय मंगलवार, 26 अगस्त को कैबिनेट की बैठक में लिया गया। इससे इस राजमार्ग के काम में तेजी आने का रास्ता साफ हो गया है। सांसद प्रफुल्ल पटेल ने नागपुर से गोंदिया तक एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किया था। तदनुसार, राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इसे हरी झंडी मिलने पर सांसद प्रफुल्ल पटेल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त किया। मौजूदा हाईवे पर गोंदिया से नागपुर पहुँचने में लगभग 4 घंटे का समय लगता हैं। अब नए एक्सप्रेसवे के साथ यह दूरी घटकर डेढ़ से दो घंटे रह जाएगी। इसमें 26 फ्लाईओवर, वन्य प्राणियों,जानवरों के लिए 8 अंडरपास, 15 बड़े और 63 छोटे पुल, 71 नहर क्रॉसिंग आदि शामिल हैं। यह नई सड़क भंडारा और गोंदिया जिलों के लोगों के लिए बहुत मददगार साबित होगी क्योंकि सरकार ने परियोजना निगम के माध्यम से परियोजना के डिज़ाइन और भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। यह नया एक्सप्रेसवे भंडारा और गोंदिया जिलों के किसानों को बड़े पैमाने पर सब्ज़ियों और अन्य फसलों की खेती करने में मदद करेगा, जिससे कृषि उपज का परिवहन तेज़ होगा और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

60 से 70 साल पुरानी विद्युत लाईन का होगा सुधार, विस्तारित शहर की बढ़ेगी लोड क्षमता - विधायक विनोद अग्रवाल

मुंडीपार से शहर और ग्रामीण की दो अलग विद्युत लाईन करने पर सकारात्मक चर्चा

बुलंद गोंदिया। शहर के विस्तारी करण और लोड क्षमता के चलते आये दिन शहरी क्षेत्र और ग्रामीण भागों में विद्युत खंडित होने की समस्या आम हो गई है। इसका मुख्य कारण 60-70 साल पुरानी विद्युत लाइन एवं लोड क्षमता में कमी है। इस विकराल समस्या के स्थायी रूप से समाधान के लिए विधायक विनोद अग्रवाल ने अपने कदम आगे बढ़ाये है। हाल ही में विधायक विनोद अग्रवाल ने गोंदिया शहर और ग्रामीण में बढ़ती विद्युत समस्या के निराकरण, सुधार एवं लोड क्षमता की वृद्धि हेतु महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों, चीफ एग्जीक्यूटिव, जोन अधिकारियों से चर्चा कर उचित उपाय योजना के तहत दिशानिर्देश दिए।

विधायक विनोद अग्रवाल ने गोंदिया जोन के चीफ एग्जीक्यूटिव सुभाष रंगारी,, एसई राठौर, एचओ श्रीमती पाटिल, सीई प्रोजेक्ट काले, सीई डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिस एवं ईई जैन सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की। इस चर्चा के दौरान विनोद अग्रवाल ने कहा, गोंदिया शहर का शहरीकरण इन 60-70 सालों में तेजगति से बढ़ा है। परंतु विद्युत लाइन आज भी पुरानी है। नए विद्युतीकरण के लिए जो आवश्यक हो उसे किया जाना अत्यंत जरूरी है। विधायक अग्रवाल ने कहा, गोंदिया शहर और ग्रामीण में विद्युत की आपूर्ति मुख्य सबस्टेशन मुंडीपार से होती है। परंतु बे-लाइन एक ही होने से लोड क्षमता बढ़ने के कारण विद्युत खंडित होने की समस्या आम हो गई जिससे ग्रामीणों को शहरी लोगो को इसका सामना आये दिन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मुंडीपार के मुख्य सबस्टेशन से ग्रामीण और शहर की दो अलग लाईन किया जाना समय की जरूरत है। इसके लिए मुंडीपार में एक अलग सब स्टेशन निर्माण की जरूरत है।

लोड क्षमता की समस्या से मिलेगा छुटकारा

इसके साथ ही विधायक विनोद अग्रवाल ने शहर की पुरानी विद्युत लाईन के नए विद्युतीकरण हेतु विद्युत पोल, 33/11 केव्ही फीडर लाइन पर केबल और कंडक्टर बदलने पर जोर दिया। नए कनेक्शन बढ़ने पर लोड क्षमता हेतु ट्रांसफार्मर बढाने की मांग को देखते हुए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। इनके आलावा शहर के मध्य भाग में विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने जगह का चयन कर इसका प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए।

ग्रामीण विद्युत उपकेंद्रों की होगी लोड क्षमता बढोत्तरी

ग्रामीण में विद्युत लोड की बढ़ती क्षमता और बार बार हो रही विद्युत आपूर्ति खंडित समस्या को देख विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयास से काटी, दासगाव उपकेंद्र में लोड क्षमता को डबल करने की मांग को मंजूरी प्राप्त हो गई है। इसके साथ ही फुलचुर और बटाना में 33/11 केव्ही के नए विद्युत उपकेंद्रों को भी मंजूरी प्राप्त हो गई है। ग्राम चंगेरा में नए उपकेंद्र को स्थापित करने जगह उपलब्ध हो गई है यहां भी आने वाले समय में उपकेंद्र स्थापित होगा।

डांगोरली जलापूर्ति हेतु विद्युत लाइन सुधारने के निर्देश विधायक द्वारा प्रयासरत होकर शहर और ग्रामीण की विद्युत व्यवस्था को पटरी पर लाने किये जा रहे कार्यो के साथ ही डांगोरली के वैनगंगा नदी से होने वाली जलापूर्ति को व्यवस्थित करने बार बार विद्युत खंडित होने के मामले पर लोड क्षमता बढ़ाने व सुधार करने के निर्देश दिए। इसके लिए लगने वाली निधि हेतु जल्द प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिए।

आने वाले समय में विद्युत की समस्या से दूर होगा गोंदिया

विधायक विनोद अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि, जिस तरीके से उपाय योजना के तहत नए विद्युतीकरण, लोड क्षमता बढ़ोत्तरी, नए ट्रांसफार्मर, नए उपकेंद्र, बे-लाइन को लेकर प्रारूप तैयार कर उसे साकार करने का कार्य किया जा रहा है, उससे सिंचन, पेयजलापूर्ति व्यवस्था के साथ ही शहरी और ग्रामीण जनता को भरपूर लोड के साथ बेहतर बिजली सुविधा प्राप्त होगी।

फसल बीमा योजना को प्रतिसाद नही

गोंदिया-सरकार ने इस वर्ष से 1 रु. वाली फसल बीमा योजना को बंद कर दिया है और नई संशोधित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की है. इस योजना को लेकर किसानों की उदासीनता के कारण, सरकार ने योजना की अवधि को तीन बार बढ़ाया. लेकिन, इसके बाद भी, इस योजना को लेकर कम प्रतिसाद की तस्वीर सामने आ रही है. अब तक, जिले में कर्जदार और गैर कर्जदार ऐसे दोनों कुल 51 हजार 156 किसानों ने 25 हजार 118 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए फसल बीमा किया है. सरकार ने इस वर्ष से 1 रु वाली फसल बीमा योजना को बंद कर दिया है और संशोधित फसल बीमा योजना लागू की है. इसने फसल कर्ज लेने वाले किसानों के लिए इस योजना को वैकल्पिक भी बना दिया है. इसलिए, इस योजना को लेकर किसानों का कम प्रतिसाद मिलने की तस्वीर सामने आ रही है. इस बीच, पिछले तीन-चार वर्षों में फसल बीमा योजना को लेकर किसानों का अनुभव अच्छा नहीं रहा है. नुकसान के बाद भी बीमा कंपनियों से मुआवजा न मिलने से किसान फसल बीमा कराने से मुंह मोड़ रहे हैं.

ओबीसी वर्ग के व्यक्तियों के लिए स्वरोज़गार और उच्च शिक्षा का सुनहरा अवसर

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम और 14 अन्य सहायक संस्थाएँ बहुजन कल्याण विभाग के अंतर्गत कार्यरत हैं, जो महाराष्ट्र में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए कार्यरत हैं। इनके माध्यम से, कृषि से संबंधित व्यवसाय, लघु उद्योग, सेवा उद्योग आदि जैसे नए उद्योग स्थापित करने के साथ-साथ व्यवसाय वृद्धि और उच्च शिक्षा के लिए ब्याज मुक्त ऋण वितरित किए जाते हैं। निगम के माध्यम से 20 प्रतिशत प्रारंभिक पूँजी योजना, प्रत्यक्ष ऋण योजना, व्यक्तिगत ऋण ब्याज वापसी योजना, शैक्षिक ऋण ब्याज वापसी योजना, महिला स्वावलंबन ब्याज वापसी योजना, कौशल विकास प्रशिक्षण योजना आदि जैसी योजनाएँ क्रियान्वित की जाती हैं।

निगम के जिला कार्यालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। महाराष्ट्र राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम की जिला प्रबंधक विशाखा फडणवीस ने ओबीसी वर्ग के अधिक से अधिक नागरिकों से इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।अधिक जानकारी के लिए, महाराष्ट्र राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम कार्यालय, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक न्याय भवन, पतंगा चौक, जिलाधिकारी कार्यालय के पीछे, गोंदिया से संपर्क करें। दूरभाष क्रमांक- 07182-234037, मोबाइल क्रमांक- 9689178773,

कुड़वा जिला परिषद क्षेत्र की 4 ग्राम पंचायतों के नागरिकों को दुख के समय शव वाहन, बॉडी फिजर और अर्थी के लिये नहीं होगी परेशानी

बुलंद गोंदिया। जब किसी परिवार में दुख या गमी का घटनाक्रम घट गया हो, तब शहरी क्षेत्रों में तो शवों की सुरक्षा के लिये एक नहीं अनेक बॉडी फ्रिजर, शव वाहन, अर्थी (सकुली) आदि की उपलब्धता हो जाती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी ऐसी परिस्थितियों में सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती, जबकि भीषण गर्मी, बारिश आदि का समय हो तो शोक संतप्त परिवारों और उनके मित्र परिवारों को अन्य परेशानियां भी झेलनी पड़ती है। अनेक बार तो ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब, जरुरतमंद परिवारों के पास इतना सामर्थ भी नहीं होता कि शहरी क्षेत्र से वे बॉफी फ्रिजर, शव वाहन आदि का प्रबंध भी कर सकें, बदलते समय की आवश्यकता और जनता की मांग को देखते हुए गोंदिया जिले की कुड़वा जिला परिषद क्षेत्र की सेवाभावी जिला परिषद सदस्य पूजा अखिलेश सेठ ने पहल करते हुए जिला परिषद की 15 वां वित्त आयोग निधि से जिला परिषद की 4 ग्राम पंचायतों कुड़वा, कटंगी कला, टेमनी, बरबसपूरा के नागरिकों के लिये शोक परिस्थितियों की मांग अनुरुप एक शव वाहन, 2 बॉडी फ्रिजर एवं 4 अर्थी (सकूली) की सेवाएं प्रदान कर दी है, तथा विविधत ग्राम पंचायत सदस्यों की उपस्थिति में ग्राम के सरपंच को पूजा अखिलेश सेठ द्वारा अतिआवश्यक मानी जाने वाली यह सामग्रीयां सौंप दी गई है, जो कि ग्राम पंचायत के माध्यम से जरुरतमंद नागरिकों को प्राप्त हो सकेगी।

> हमने विधिवत ग्राम पंचायतों को यह सामग्रीयां दे दी है, जिनके माध्यम से यह सेवाएं दुख के क्षणों में मददगार साबित हो सकेगी
>
> **- पूजा अखिलेश सेठ**

सौ. पूजा अखिलेश सेठ ने कहा कि हमारे नेता सांसद प्रफुलभाई पटेल एवं पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन का निर्देश हैं कि राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता 80 प्रतिशत समाजसेवा एवं 20 प्रतिशत राजनीति पर समय दें। इसलिये अपने नेताओं के मार्गदर्शन का अनुसरण करते हुए सामाजिक प्रतिबद्धता निभाते हुए ग्रामीण नागरिकों की मांग पर जिला परिषद की 15 वां वित्त आयोग की निधि से हम क्षेत्र की 4 ग्राम पंचायतों कुड़वा, कटंगीकला, टेमनी, बरबसपूरा के नागकिों के लिये 1 शव वाहन, 2 बॉडी फ्रीजर एवं 4 सकुली के प्रबंध किये गए हैं।

इस समय प्रमुख रुप से सौ. पूजा अखिलेश सेठ, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अखिलेश सेठ, पंचायत समिति सदस्य विनोद बिसेन, सरपंच कुड़वा बालकृष्ण पटले, उपसरपंच कमल फरदे, सरपंच कटंगीकला मोहिनी अविनाश वरहाड़े, सरपंच टेमनी योगेश पटले, उपसरपंच टेमनी शैलेन्द्र डोंगरे, सरपंच बरबसपुरा लिविन डोंगरे, उप सरपंच बरबसपुरा झमेंद्र नागपुरे, फुन्डे सर कुड़वा, पी.आर. चौधरी सचिव कटंगीकला, सोनवाने सर सचिव टेमनी, सौ. रविकला प्रेम नागपुरे, सदाशिव वाघाड़े, गीता खुमेश नेवारे, शिशुपाल उपरीकर, श्रीमती मुमताज नासिर खान पठान, चंद्रसेन सुरजलाल दोनेकर, मंदाताई धम्मानंद मेश्राम, सुभाष बावनकर, अविनाश वरहाड़े, शिवलालभाऊ नेवारे टेमनी, जीवनभाऊ दमाहे, संतोषी भागड़कर, ललीता वरहाड़े, विनिता डोंगरवार, अनिता ठाकुर एवं अनेक ग्रामीण नागरिकबंधु उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन सदाशिव वाघाड़े ने किया। इन आवश्यक वस्तुएं ग्राम पंचायत को हस्तांतरण करने पर सभी सरपंच उप सरपंच ग्राम सेवकों ने सौ पूजा सेठ का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस का 29 अगस्त को आयोजन

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र सरकार के खेल एवं युवा सेवा निदेशालय, पुणे के अंतर्गत जिला क्रीड़ा परिषद गोंदिया और जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय गोंदिया द्वारा ओलंपिक वीर मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। साथ ही, महाराष्ट्र के सपूत, ओलंपिक वीर खशाबा जाधव की स्मृति में, राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर, शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में गोंदिया जिले में राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, गोंदिया द्वारा 29 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, वर्तमान में महाराष्ट्र राज्य में खेलों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है और निश्चित रूप से खेलों में प्रगति हासिल करना आवश्यक है। इसके लिए कार्यालय द्वारा 29 से 31 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित खेलों का आयोजन किया गया है। 29 अगस्त को जिला खेल परिसर गोंदिया में खेल रैली, मेजर ध्यानचंद पर जीवनी व्याख्यान और राष्ट्रीय खिलाड़ी सम्मान समारोह, स्कूल मल्लखंब और मुक्केबाजी खेल प्रतियोगिताएं (14, 17, 19 वर्ष बालक-बालिकाएं) आयोजित की गईं। 30-31 अगस्त को पैदल दौड़ (19 वर्ष बालक-बालिकाएं), स्कूल हॉकी (14, 17, 19 वर्ष बालक-बालिकाएं) आयोजित की गईं। 31 अगस्त, रविवार को जिला खेल परिसर से जिला कलेक्ट्रेट तक साइकिल रैली निकाली गई। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर उपरोक्तानुसार विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं और गतिविधियां आयोजित की गई हैं। फिर भी, अधिक से अधिक खिलाड़ियों और खेलप्रेमी नागरिकों को उक्त कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए। साथ ही, जिन खिलाड़ियों ने 2024-25 के शैक्षणिक सत्र में राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और उत्कृष्टता हासिल की है, उन्हें अपने प्रमाण पत्र और नाम की सत्य प्रतियां 25 अगस्त 2025 तक जिला खेल अधिकारी कार्यालय गोंदिया में जमा करनी चाहिए। अधिक जानकारी के लिए, खेल अधिकारी अभय महल्ले से संपर्क करें, जिला खेल अधिकारी अनिराम मर्सकोले ने अपील की है।

चाकू से दंपति व लड़का घायल

गोंदिया-रामनगर थाने के तहत मरारटोली में एक युवक ने चाकू से हमला कर पति-पत्नी व लड़के को घायल कर दिया. जानकारी के अनुसार, मरारटोली निवासी आरोपी अंश विक्की रंगारी (18) ने फिर्यादी पृथ्वीराज लक्ष्मण रंगारी (65) का मकान मेरे नाम पर करों, ऐसा कहते हुए गालीगलौज की. वहीं चाकू से फिर्यादी पृथ्वीराज रंगारी, फिर्यादी की 60 वर्षीय पत्नी व लड़का शोभराज पृथ्वीराज रंगारी (38) पर हमला कर दिया. जिसमें वह घायल हो गए. फिर्यादी की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षण संजय नागरगोजे कर रहे हैं

रेलटोली चौपाटी को स्वच्छ रखने पूर्व पार्षद सचिन शेन्डे की पहल पर रात में खड़ी रहेंगी कचरा गाड़ी

बुलंद गोंदिया। रेलटोली परिसर की चौपाटी को गंदगी से छुटकारा दिलाने के लिए परिसर के नागरिकों द्वारा पूर्व पार्षद सचिन शेन्डे से मांग की थी जिस पर सचिन शेन्डे की पहल पर अब रात में भी कचरा गाड़ी चौपाटी परिसर में खड़ी रहेगी जिससे चौपाटी को स्वच्छ रखा जा सकेगा। गौरतलब है की गोंदिया शहर के रेलटोली परिसर स्थित चौपाटी में अनेकों खाद्य पदार्थ के ठेले लगाए जाते हैं तथा हजारों नागरिक यहां चौपाटी का आनंद लेने आते हैं, लेकिन इसके पश्चात चौपाटी से निकलने वाला बचा खाना वह कचरा बड़ी मात्रा में आसपास फेंक दिया जाता था जिससे परिसर के नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इन परेशानियों के निराकरण के लिए पूर्व पार्षद सचिन शेन्डे, चौपाटी के दुकानदारों व नागरिकों की एक संयुक्त सभा आयोजित की गई जिसमें चौपाटी के निकलने वाले कचरे को नगर परिषद की कचरा गाड़ी में ही डालने का सुझाव दिया गया इसके पश्चात सचिन संडे द्वारा मुख्य अधिकारी नगर परिषद गोंदिया से चर्चा कर प्रतिदिन रात में 9.30 से 11.00 बजे तक चौपाटी परिसर में कचरा गाड़ी खड़ी करने का सुझाव दिया गया था जिसे मुख्य अधिकारी द्वारा मान्य किया गया तथा चौपाटी के दुकानदारों ने भी अपनी सहमति प्रदान की। इस स्वच्छता अभियान पर नजर रखने के लिए स्थानीय नागरिकों की एक समिति का गठन किया गया है जिसमें मुख्य रूप से पैनलभाई पटेल अरविंदजी चौरसिया कमल टांग, हितेश कोडवानी संजीव गुप्ता, सुमीत गुप्ता,आशु महाराज मिश्रा, संतोष श्रीवास, चंद्रकुमार चुटे, अप्पू गुप्ता, यश(बिट्टू) चौरसिया, मंगेश हरिनखेडे,गणेश सोनू का समावेश है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।